नईदुनिया

जनजातीय गौरव पर विशेष

भगवान बिरसा मुंडा मात्र एक नाम नहीं, बल्कि एक विचारधारा हैं

15 नवंबर का दिन न केवल जनजातीय समाज के लिए, बल्कि समूचे भारत वर्ष के लिए आत्म-स्वाभिमान, अदम्य साहस और देशभक्ति के स्मरण का दिवस है। आज धरती आबा, उलगुलान के प्रणेता भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती है। इस पावन अवसर पर मैं मध्यप्रदेश की समस्त 8 करोड़ जनता की ओर से जनजातीय नायकों के चरणों में नमन करता हूँ।

भगवान बिरसा मुंडा मात्र एक नाम नहीं, बल्कि एक विचारधारा हैं। उन्होंने बेहद कम आयु में अंग्रेजों की दमनकारी नीतियों और शोषणकारी व्यवस्था के खिलाफ जो 'उलगुलान' (क्रांति) छेड़ा, उसने देश की आज़ादी की नींव को मजबूत करने का काम किया। जल, जंगल और जमीन पर जनजातीय समाज के अधिकारों की रक्षा के लिए उनका संघर्ष आज भी हम सभी को राष्ट्रसेवा और अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने की प्रेरणा देता है।



डॉ. मोहन यादव

मध्यप्रदेश जनजातीय संस्कृति और गौरव का केंद्र रहा है, जो देश का सबसे बड़ा जनजातीय आबादी वाला राज्य है। हमारे लिए भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती मनाना केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि अपनी जड़ों से जुड़ने और जनजातीय भाइयों-बहनों के जीवन को बेहतर बनाने का एक राष्ट्रीय संकल्प है।

यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 15 नवंबर को 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाने की ऐतिहासिक शुरुआत की थी। मध्यप्रदेश को यह सौभाग्य मिला था कि इस ऐतिहासिक निर्णय का साक्षी और ध्वजवाहक हमारा राज्य बना।हमारी सरकार का स्पष्ट मानना है कि जब तक हमारा जनजातीय समाज सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त नहीं होगा, तब तक मध्यप्रदेश के पूर्ण विकास की कल्पना अधूरी है। इसी दिशा में राज्य सरकार लगातार कई ऐतिहासिक कदम उठा रही है।

हमने राज्य में पेसा कानून लागू कर जनजातीय समाज को जल, जंगल और जमीन से जुड़े निर्णयों में आत्मनिर्भर और अधिकार संपन्न बनाया है। अब गाँव की ग्राम सभाओं को ही अपने संसाधन प्रबंधित करने का पूरा अधिकार है।जनजातीय क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुँचाने के लिए एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों की श्रृंखला तैयार की जा रही है। साथ ही सिकल सेल एनीमिया जैसी गंभीर बीमारी के उन्मूलन के लिए विशेष अभियान चलाकर लाखों जनजातीय भाई-बहनों का स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाकर उपचारित भी किया गया है।

भगवान बिरसा मुंडा स्वरोजगार योजना और टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना जैसी पहलों के माध्यम से जनजातीय युवाओं को अपने पैर पर खड़े होने के लिए आर्थिक सहायता और प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

टंट्या भील, भीमा नायक, राजा शंकर शाह, कुंवर रघुनाथ शाह और रानी दुर्गावती जैसी महान हस्तियों के बलिदान और योगदान को जन-जन तक पहुँचाने के लिए उनके स्मारकों और संग्रहालयों का निर्माण करसांस्कृतिक धरोहर का संरक्षण किया है।भगवान बिरसा मुंडा जी ने जिस समृद्ध, आत्मनिर्भर और स्वाभिमानी समाज का सपना देखा था, उसे साकार करना ही हमारी सरकार का परम उद्देश्य है।

आइए, इस जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि हम अपने जनजातीय समाज के गौरव, उनकी सांस्कृतिक विरासत और उनके अधिकारों के संरक्षण के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे।

जय हिंद! जय मध्यप्रदेश!जय जोहार!

(लेखक मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं)

स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 में दूसरा स्थान मिलने पर सफाई मित्रों का किया सम्मान

जबलपुर को देश का नंबर-1 स्वच्छ शहर बनाने का संकल्प लें : मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपाल: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि संगमरमर की नगरी जबलपुर अब देश में स्वच्छता के लिए भी अपनी पहचान बना रही है। स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 में शहर को देश में दूसरा स्थान मिलना सफाई मित्रों के परिश्रम का परिणाम है। अब सभी को मिलकर जबलपुर को देश का नंबर-1 स्वच्छ शहर बनाने का संकल्प लेना चाहिए। मुख्यमंत्री शनिवार को मानस भवन में आयोजित सफाई मित्र सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छता के क्षेत्र में मध्य प्रदेश को मिली उपलब्धियों में सफाई कर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। सनातन संस्कृति में भी स्वच्छता को विशेष महत्व दिया गया है। दीपावली पर मां लक्ष्मी के साथ सफाई के प्रतीक झाड़ू का पूजन किया जाता है।

कचरा प्रबंधन के लिए मिलेंगे 75 करोड़ रुपये: मुख्यमंत्री ने बताया कि जबलपुर नगर निगम को 182 सीएनजी वाहन मिलेंगे। कचरा संग्रहण केंद्र और एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन परियोजना के लिए केंद्र और राज्य सरकार की ओर से 75 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छ भारत अभियान के माध्यम से देशभर में स्वच्छता के लिए स्वस्थ प्रतिस्पर्धा शुरू की है।



सफ़ाईकर्मियों का पुष्प-वर्षा कर अभिनंदन किया

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने सफाई मित्रों पर पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया और उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि जबलपुर को देश का दूसरा स्वच्छ शहर बनाने में स्थानीय जनप्रतिनिधियों का भी विशेष सहयोग रहा है। सफाई मित्रों की सुरक्षा के लिए नमस्ते योजना के तहत सुरक्षा उपकरण और स्वास्थ्य परीक्षण जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

महाकौशल के विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध: मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार जबलपुर-भोपाल-इंदौर आर्थिक गलियारे की योजना पर काम कर रही है। आरजीपीवी के तीन हिस्सों में से एक विश्वविद्यालय जबलपुर में स्थापित किया जाएगा। महाकौशल क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। आने वाले समय में जबलपुर को कई बड़ी सौगातें मिलेंगी। उन्होंने बताया कि स्वच्छता सर्वेक्षण में मध्य प्रदेश के शहरों को अलग-अलग श्रेणियों में कुल 27 में से नौ पुरस्कार मिले हैं। इनमें ग्वालियर, उज्जैन, रीवा, देपालपुर, बुधनी, सागर और देवास सहित अन्य शहर शामिल हैं। महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने कहा कि कोरोना काल में सफाई मित्रों ने सैनिकों की तरह काम किया। उनके प्रयासों से जबलपुर और ग्वालियर को स्वच्छता के क्षेत्र में सम्मान मिला है।

एमपी में ई-अटेंडेंस ऐप की तकनीकी खराबी से शिक्षक परेशान

- विभाग ने दी ऑटो लॉगआउट की सुविधा
- नेटवर्क समस्या के कारण स्कूल से जाते समय दर्ज नहीं कर पाए उपस्थिति
- शिक्षक संगठन ने वैकल्पिक व्यवस्था और वेतन सुरक्षा की मांग की

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: मध्यप्रदेश के सरकारी स्कूलों में लागू ई-अटेंडेंस व्यवस्था शनिवार को शिक्षकों के लिए परेशानी का कारण बन गई। स्कूल का निर्धारित समय पूरा होने के बाद कई शिक्षक मोबाइल ऐप के माध्यम से लॉगआउट नहीं कर सके। नेटवर्क की कमजोरी और तकनीकी खामियों के चलते प्रदेश के अनेक विद्यालयों में यह समस्या सामने आई।

मामले की जानकारी मिलने पर लोक शिक्षण संचालनालय ने संदेश जारी कर बताया कि तकनीकी समस्या के कारण ऐप में लॉगआउट नहीं हो पा रहा है। जिन शिक्षकों ने ऐप पर लॉगइन किया है, वे स्वत: लॉगआउट हो जाएंगे। इससे शिक्षकों को राहत मिली।

शिक्षक संगठन ने जताई नाराजगी

शासकीय शिक्षक संगठन मध्यप्रदेश के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र कौशल ने व्यवस्था पर नाराजगी जताते हुए कहा कि शिक्षक पूरे दिन विद्यालय में उपस्थित रहकर अपने दायित्व निभा रहे हैं। ऐसे में केवल नेटवर्क या तकनीकी खराबी के कारण उनकी उपस्थिति अधूरी मानना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि ई-अटेंडेंस लागू करने से पहले ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के स्कूलों में पर्याप्त इंटरनेट सुविधा सुनिश्चित की जानी चाहिए। नेटवर्क नहीं होने पर शिक्षकों का ऐप से लॉगआउट करना संभव नहीं है।

उपस्थिति रजिस्टर से हाजिरी मानने की मांग: शिक्षक संगठन ने मांग की है कि तकनीकी समस्या के कारण लॉगआउट नहीं कर पाने वाले शिक्षकों की उपस्थिति विद्यालय के रजिस्टर और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर मान्य की जाए। ऐसे शिक्षकों का वेतन नहीं रोका जाए और न ही उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए।

18 जिलों में 21 नए औद्योगिक क्षेत्र घोषित, 412 हेक्टेयर जमीन चिह्नित

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: मध्यप्रदेश में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए 18 जिलों में 21 नए औद्योगिक क्षेत्र घोषित किए गए हैं। इनके विकास के लिए कुल 412 हेक्टेयर भूमि चिह्नित की गई है।

इससे प्रदेश में औद्योगिक निवेश बढ़ने के साथ स्थानीय उद्यमियों को अपनी इकाइयां स्थापित करने के नए अवसर मिलेंगे। भोपाल जिले में आरा मशीन क्लस्टर के लिए रातीबड़ के साथ आगरिया छापर में औद्योगिक क्षेत्र घोषित किया गया है। वहीं बैतूल में उड़दन गुड़ क्लस्टर के लिए जमीन निर्धारित की गई है। इन क्षेत्रों को मध्यप्रदेश एमएसएमई औद्योगिक भूमि तथा भवन आवंटन एवं प्रबंधन नियम-2025 के तहत अधिसूचित किया गया है। नए औद्योगिक क्षेत्रों में पन्ना का बड़ा गांव, सीहोर का इछावर, देवास का कालूखेड़ी, बुरहानपुर का सातापयरी, सीधी का बाड़ीटोला, धार के रायण और सरदारपुर तथा रायसेन का समनापुर जागीर शामिल हैं।

रोजगार और निवेश को मिलेगा बढ़ावा

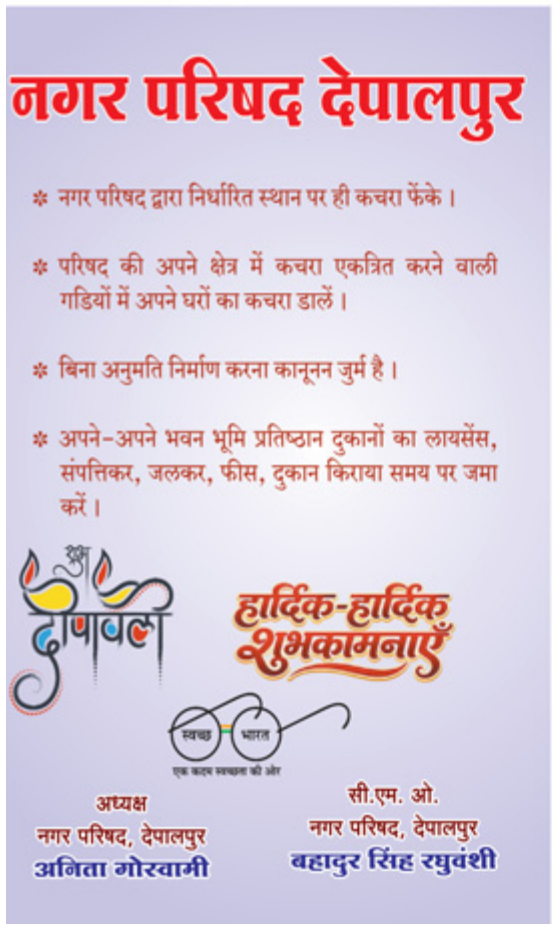
इन औद्योगिक क्षेत्रों के विकास से उद्यमियों को उद्योग स्थापित करने और मौजूदा इकाइयों का विस्तार करने के लिए विकसित भूमि उपलब्ध होगी। इससे स्थानीय संसाधनों के उपयोग, स्वरोजगार और रोजगार के नए अवसर पैदा होने की उम्मीद है। राज्य सरकार का उद्देश्य बेहतर औद्योगिक अधोसंरचना तैयार कर मध्यप्रदेश को देश के प्रमुख एमएसएमई केंद्रों में स्थापित करना है।

मधुमेह से बचाव के लिए नियमित जांच और संतुलित जीवनशैली जरूरी

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विश्व मधुमेह दिवस पर प्रदेशवासियों से मधुमेह से बचाव के लिए स्वयं सतर्क रहने और दूसरों को भी जागरूक करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने से मधुमेह के जोखिम को कम किया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि विश्व मधुमेह दिवस हमें संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और संयमित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करता है। स्वस्थ रहने के लिए जरूरी है कि प्रत्येक व्यक्ति अपनी सेहत के प्रति जागरूक रहे और नियमित रूप से स्वास्थ्य जांच कराए।













मेसर्स दैनिक नईदुनिया के लिए प्रकाशक अपूर्व तिवारी के द्वारा 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1,भोपाल-462011 से प्रकाशित एवं मुद्रक डॉ. विश्वास तिवारी के द्वारा नईदुनिया प. प्रा.लि., 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1, भोपाल-462011 से मुद्रित। प्रबंध संपादक: डॉ. सुरेन्द्र तिवारी एवं संपादक: अपूर्व तिवारी। * फोन-0755-2550900-01, e-mail : naidunia@gmail.com (* समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र सिर्फ भोपाल होगा।) आर.एन.आई. रजि. क्र. 47694/88, www.naiduniaonline.com